Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

J–4908

PAPER – III
ARAB CULTURE AND ISLAMIC STUDIES

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

ARAB CULTURE AND ISLAMIC STUDIES

अरब संस्कृति एवं इस्लामिक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खंड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Imam Abu Hanifah made an original and pioneering contribution to the discipline of *Fiqh* by setting up a consultative board for the purpose of codification of Islamic law. The consultative board comprised about forty eminent scholars and specialists, including Abu Yusuf, Zufar ibn Huzail, Hasan ibn Ziyad, Abdullah ibn al-Mubarak, Fudayl ibn Iyad, Dawud ibn Nasir, Waki, and Afiyah, among others. Abu Hanifah used to initiate the discussion by presenting a legal problem and then throwing it open for discussion. Sometimes, the discussion on a single issue or problem would go on for a month. When a consensus emerged among the members of the board, the proposition under discussion was written down by Abu Yusuf. It is reported that 83,000 legal provisions or rulings were codified by this consultative board under the guidance of Abu Hanifah. Of these 38,000 related to matters of prayer and worship; the remaining 45,000 dealt with social and economic problem and issues. Abu Hanifah also compiled a book on the principles of international law, which is unfortunately extinct. Imam Shafii is reported to have said : "People are beholden in five matters to five persons. One who desires expertise in *Sirah* is beholden to ibn Ishaq; one who desires expertise in *Fiqh* is beholden to Abu Hanifah; one who desires expertise in poetry is beholden to Zuhayr; one who desires expertise in Quranic exegesis is beholden to Muqatil ibn Sulayman; and one who desires expertise in grammar is beholden to Kisai."

फिक़ह के मैदान में इमाम अबू हनीफ़ा ने रचनात्मक और अग्रगामी योगदान दिया, इसलामी कानून के संहिताबन्धन के लिये उन्होंनें एक मजलिस मुशावरत स्थापित की थी जिसमें चालीस प्रसिद्ध विद्वान और विशेषज्ञ सदस्य थे, जिनमें अबू यूसुफ़, ज़ुफ़र इब्न हुज़ैल, हसन इब्न ज़ियाद, अब्दुल्ला इब्न अल-मुबारक, फुजैल इब्न इयाज़, दाऊद इब्न नासिर, वाक़े और अफीयह आदि शामिल थे। अबू हनीफ़ा कोई कानूनी मसला पेश करके बहस की शुरुआत करते थे। और दूसरो को बहस में शामिल होने का नेवता देते थे। कभी-कभार एक ही मुद्दे या समस्या पर बहस एक माह तक चलती रहती थी। जब मजलिस के सदस्यों में किसी मुद्दे पर सहमति बन जाती थी, तो उसे अबू यूसुफ़ द्वारा लिख लिया जाता था। ऐसा बताया जाता है कि 83,000 कानूनी फैसलों को अबू हनीफ़ा की निगरानी में मजिलिस मुशावरत द्वारा संहिताबद्ध किया गया। इनमें से 38,000 फैसले नमाज़ और इबादत से सम्बन्धित थे। बाकी 45,000 का सम्बन्ध समाजी और आर्थिक मुद्दों से था। अन्तर्राष्ट्रीय कानून के उसूल पर भी इमाम अबू हनीफ़ा ने एक पुस्तक संकलित की थी जो दुभाग्यवश आज मौजूद नहीं है। इमाम शाफ़ई के कथनानुसार ''लोग पाँच चीज़ो में पाँच लोगो के कृतज्ञ हैं। जो सीरत के ज्ञान में महारत हासिल करना चाहते हैं वह इब्न इस्हाक़ के कृतज्ञ होगें, जो फिकाह के क्षेत्र में महारत हासिल करना चाहते हैं, वह अबू हनीफ़ा के कृतज्ञ होंगें, जो शायरी में महारत हासिल करना चाहते हैं वह जुहैर के कृतज्ञ होंगें, जो क़ुरान की तफ़सीर में महारत हासिल करना चाहते हैं, वह मुकातिल इब्न सुलेमान के कृतज्ञ होंगें और जो व्याकरण में महारत हासिल करना चाहते है वह किसाई के कृतज्ञ होगें।''

1. What do you understand by the consultative board ?
मजलिस मुशावरत (consultative board) से आप क्या समझते है?

2. What procedure was adopted by Imam Abu Hanifa to arrive at a legal decision ?
कानूनी फैसला तय करने के लिये इमाम अबू हनीफ़ा ने कौन सा तरीका अपनाया था?

3. Who were prominent members of the consultative board set up by Abu Hanifa ?
इमाम अबू हनीफ़ा द्वारा गठित की गई मजलिस मुशावरत के प्रमुख सदस्यों के नाम बताइये?

4. Comment upon the nature of discussion among the members of the consultative board.
मजलिस मुशावरत के सदस्यों के बीच बहस मुबाहिसे की क्या शक्ल होती थी?

5. What was the opinion of Imam Shafii about Muqatil Ibn Sulayman ?

मुक़ातिल इब्न सुलैमान के बारे में इमाम शाफ़ई की क्या राय थी ?

SECTION - II / खंड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। **(5x15=75 अंक)**

6. Name the important fairs of pre-Islamic Arabia.

इसलाम से पूर्व महत्वपूर्ण अरबी मेलों के नाम लिखिये।

7. What do you know about Ḥilf al-Fuḍūl ?
हिलफुल फुजूल के बारे में आप क्या जानते हैं?

8. Describe the Prophet's migration from Makkah to Madinah.
हजरत मुहम्मद स. की मक्का से मदीना की हिजरत के बारे में लिखिये।

9. Give an account of the battle of Uhud.

उहुद युद्ध पर संक्षेप में लिखिये।

10. Name the fundamental principles of Islam.

इसलाम के बुनियादी उसूलों पर प्रकाश डालिये।

11. Enumerate the major achievements of Caliph Abu Bakr.

खलीफ़ा ह. अबू बकर की मुख्य उपलब्धियों का वर्णन कीजिये।

12. Show your acquaintance with Aqṣā Mosque.

मसजिद अक़सा के बारे में आप क्या जानते हैं?

13. Describe the expansion of the Umayyad Caliphate.

उमवी खिलाफ़त के विस्तार पर लिखिये।

14. Define Ijmā.

'इजमा' को परिभाषित कीजिए।

15. Describe the significance of Bait al-Ḥikmah.

बैतुल हिकमत का महत्त्व बताइये।

16. Why the Fatimids are so called ?

फातिमीयों को फातिमी क्यों कहा जाता है?

17. Define the term 'Waḥdat al-Wujūd'.
वहदतुलवजूद को परिभाषित कीजिये।

18. What is the major contribution of Abul Alā Maududi as the commentator of the Qur'an?
क़ुरान के मुफ़स्सिर के रूप में मौलाना मौदुदी का योगदान बताइये।

19. What do you mean by the term Ikhwān al-Muslimin ?

इखवानुल मुस्लिमीन से क्या तात्पर्य है?

20. Describe briefly your understanding of the term "Khawārij.

ख़वारिज से आप क्या समझते हैं?

SECTION - III
खंड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words. **(12x5=60 marks)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। **(12x5=60 अंक)**

Elective - I / विकल्प – I
(Islamic Studies) / (इस्लामी अध्ययन)

21. Write a note on the contribution of Tablighi Jamat in India.
भारत में तबलीगी जमात के योगदान पर एक नोट लिखिये।

22. Discuss the impact of Sufism on Indian society.
भारतीय समाज पर सूफ़ीवाद के प्रभाव का वर्णन कीजिए।

23. Discuss the circumstances leading to Khilafat movement.
किन परिस्थितियों में खिलाफ़त तहरीक शुरू हुई? वर्णन कीजिये।

24. Write a note on Westernization of Iran in the pre-revolutionary period.
इस्लामी क्रान्ति से पूर्व इरान के पश्चिमीकरण पर विस्तार से लिखिये।

25. Write a note on socio-political developments in modern Turkey.
आधुनिक तुर्की के सामाजिक एवं राजनीतिक विकास पर एक नोट लिखिये।

OR / अथवा

Elective - II / विकल्प – II
(Arab Culture) / (अरब संस्कृति)

21. Describe India's relations with Saudi Arabia.
भारत-सऊदी अरब सम्बन्धों का उल्लेख कीजिये।

22. Discuss the impact of Western Civilization of UAE.
यू.ए.इ. पर पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव का वर्णन कीजिये।

23. Discuss the problems of Indian expatriates in the Gulf region.
खाड़ी देशों में प्रवासी भारतीयों की समस्याओं पर एक नोट लिखिये।

24. Write a note on India's support to the Palestinian cause.
फ़िलस्तीन समस्या पर भारतीय सहयोग पर अपने विचार प्रकट कीजिये।

25. Give an account of Al-Biruni's description of India.
भारत के प्रति अल-बेरूनी के विवरण पर विस्तार से लिखिये।

SECTION - IV
खंड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Give an account of Sir Syed Ahmad Khan as an educationist.

शिक्षाविद् के रूप में सर सैय्यद अहमद खाँ के योगदान पर विस्तार से लिखिये।

OR / अथवा

Write an essay on contemporary India-Arab relations.

समकालीन भारत-अरब सम्बन्ध पर एक लेख लिखिये।

OR / अथवा

Discuss the role played by Mustafa Kamal as an architect of modern Turkey.

आधुनिक तुर्की के निर्माता के रूप में मुस्तफ़ा कमाल के योगदान पर प्रकाश डालिये।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....